THE

PARLIAMENTARY DEBATES

OFFICIAL REPORT

IN THE SEVENTY-SECOND SESSION OF THE RAJYA SABHA

Commencing on the 27th April, 1970/the 7th Vaisakha 1892 (Saka)

RAJYA SABHA

Monday, the 27th April, 1970/the 7th Vaisakha, 1892 (Saka)

The House met at eleven of the clock, MR. CHAIRMAN in the Chair.

MEMBERS SWORN

Prof. Rashid Uddin Khan (Nominated)
Shri Bipin Pal Das (Assam)

टाटा कम्पनी द्वारा इस्पात के उत्पादन को दुगुना करने की योजना

*1. **श्री सूरज प्रसाद** : क्या **इस्पात तथा भारी इंजीनियरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि टाटा कम्पनी ने जमशेदपुर के इस्पात कारखाने में इस्पात के उत्पादन को दुगुना करने के लिए सरकार को एक योजना प्रस्तुत की है ; और

(ख) यदि हां, तो इस बारे में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

†[TATA SCHEME FOR DOUBLING THE PRODUCTION OF STEEL

*1. SHRI SURAJ PRASAD : Will the Minister of STEEL AND HEAVY ENGINEERING be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Tatas have submitted a scheme for doubling the production of steel in the steel plant at Jamshedpur; and

(b) if so, what is the reaction of Government thereto?]

†[ ] English translation.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND HEAVY ENGINEERING (SHRI K. C. PANT) : (a) No, Sir, not after 1963.

(b) Does not arise.

†[**इस्पात तथा भारी इंजीनियरी मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० सी० पन्त)** : (क) जी, नहीं, 1963 के बाद नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।]

श्री सूरज प्रसाद : सभापति महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि एक दिन अखबार में यह समाचार था कि इस तरह का विचार टाटा कम्पनी रखती है कि स्टील के उत्पादन को दुगुना करने की इजाजत ली जाय, तो क्या सरकार को इस तरह का समाचार प्राप्त हुआ है ?

श्री के० सी० पन्त : अभी हमारे पास तो कोई ऐसा प्रोपोजल टाटा ने नहीं भेजा है ।

श्री सूरज प्रसाद : अगर टाटा ने ऐसा कोई प्रोपोजल सरकार के पास नहीं भेजा है, तो क्या सरकार को गैर-सरकारी सूत्रों से इस तरह की जानकारी हुई है और समाचारपत्र में जो समाचार प्रकाशित हुआ है, उसकी जानकारी सरकार को है ?

श्री के० सी० पन्त : समाचारपत्रों में तो कई चीजें निकली हैं, सभापति महोदय, लेकिन हम तो उसी चीज का नोटिस लेते हैं, जिसका कि हमारे पास एक सरकारी तौर पर कोई प्रोपोजल आये और तब हम उस पर कोई अपना विचार व्यक्त करें ।

†[ ] Hindi translation.